

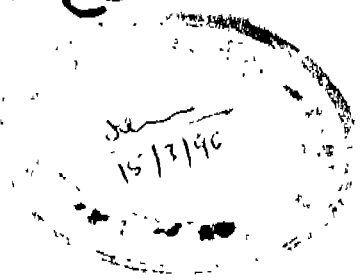


भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 200]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्तूबर 26, 1989/कार्तिक 4, 1911

No. 200]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 26, 1989/KARTIKA 4, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

कामिक, लोक शिकायत तथा पेंशन मंत्रालय

(कामिक और प्रशिक्षण विभाग)

नियम

नई दिल्ली, 4 नवम्बर, 1989

सं० 6/1/89-के०मे०(1)-निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को
भरने के प्रयोजन के लिए वर्ष 1990 में कर्मचारी चयन आयोग द्वारा
सहायक ग्रेड परीक्षा, 1988 के लिए ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा
निम्न आगम जानकारी के लिए प्रकाशित किए जा रहे हैं :-

- (1) भारतीय विदेश सेवा (यू) के सामान्य संवर् का ग्रेड-4
(सहायक);
- (2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड;
- (4) सशस्त्र सेना मुख्यालय मिलिटरी सेवा का सहायक ग्रेड; और
- (5) भारत सरकार के अन्य विभागों/संगठनों और सम्बद्ध कार्यालयों
में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (यू)/रेलवे बोर्ड
सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय
मिलिटरी सेवा में सम्मिलित नहीं हैं।

1. कोई भी उम्मीदवार ऊपर की किसी एक या अधिक सेवाओं/
पदों के लिए प्रतियोगिता में सम्मिलित हो सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों
की संख्या आयोग द्वारा जारी नोटिस में बताई जाएगी। अनुसूचित
जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार
द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए प्रारक्षित रखे जाएंगे।

3. कर्मचारी चयन आयोग द्वारा यह परीक्षा उन नियमों के परि-
शिष्ट-1 में निर्धारित ढंग से ली जाएगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।

1. उम्मीदवार को या तो--

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिए, या वह
- (ख) नेपाल की प्रजा; या
- (ग) भूटान की प्रजा; या

(घ) ऐसा निश्चित शरणार्थी, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की
इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया
हो; या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थायी रूप से रहने
की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका और कीनिया, उगुंडा
तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व टंगानिका और
जंजीबार) के पूर्वी अफ्रीका के देशों से या जाम्बिया, मलावी,
ज़ेरे और इथियोपिया और बियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अंतर्गत प्राप्ति वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पत्राज्ञा (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में ऐसे उम्मीदवार को भी, जिनके लिए पत्राज्ञा प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है, परन्तु उसे नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिए जाने पर ही दिया जाएगा।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने के लिए यह आवश्यक है कि 1 जनवरी, 1988 को उम्मीदवार की आयु पूरे 20 साल की हो चुकी हो किन्तु पूरे 25 वर्ष की आयु न हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी, 1963 से पूर्व तथा 1 जनवरी, 1968 के बाद न हुआ हो।

(ख) भारत सरकार के विभिन्न विभागों/कार्यालयों तथा साथ में संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासकों के अधीन विभागों/कार्यालयों या चुनाव आयोग और केन्द्रीय सतर्कता आयोग के कार्यालयों या लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय में कम-से-कम 3 वर्ष का लगातार तथा नियमित सेवा पहली जनवरी, 1987 तक कर लेने वाले लोअर डिवाजन क्लर्कों/अपर डिवाजन क्लर्कों/स्टेनोग्राफर्स, ग्रेड घ के मामले में 30 वर्ष की आयु तक होना भी आवश्यक है।

ऐसे पदों पर कार्य कर रहे उम्मीदवार जिनका पत्रनाम लोअर डिवाजन क्लर्क/अपर डिवाजन क्लर्क/स्टेनोग्राफर, ग्रेड 'घ' नहीं है, इस उप-नियम के अंतर्गत आयु में छूट पाने के पात्र नहीं होंगे, भले ही उनके द्वारा धारित पद समान वेतनमान के हों/वर्गों न हों।

(ग) ऊपर बताई गई अधिकतर आयु-सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढाल दी जा सकती है:—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो, तो अधिक-से-अधिक 5 वर्ष।
- (2) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) या वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवेश किया हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।
- (3) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।
- (4) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्थापित होने वाला भारत-मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिक-से-अधिक 3 वर्ष।
- (5) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का हो तो श्रीलंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित या प्रस्थापित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवेश किया हो या करने वाला हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।
- (6) यदि उम्मीदवार वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।
- (7) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो और वर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित भारत-मूलक

व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवेश किया हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।

- (8) यदि उम्मीदवार भारत-मूलक व्यक्ति हो और उसने कोनिया, उर्गांडा, संजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जर्जिया) से प्रवेश किया हो, या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।
- (9) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति हो और भारत सरकार से वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो और कोनिया, उर्गांडा या संजानिया संयुक्त गणराज्य (भूतपूर्व तंगानिका और जर्जिया) से प्रवासित हो या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से भारत-मूलक प्रत्यावर्तित व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।
- (10) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक-से-अधिक 3 वर्ष।
- (11) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप निरुक्त किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए जो अनुसूचित जाति या जनजाति के हों, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।
- (12) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलक भारतीय व्यक्ति (जिनके पास भारतीय पत्राज्ञा हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाणपत्र है और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक-से-अधिक तीन वर्ष।
- (13) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और वियतनाम से वस्तुतः प्रत्यावर्तित भारत-मूलक व्यक्ति हो (जिनके पास भारतीय पत्राज्ञा हो) और ऐसा ही उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपात प्रमाणपत्र हो और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 के बाद भारत आया हो, तो उसके लिए अधिक-से-अधिक आठ वर्ष तक।
- (14) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मिणन प्राप्त अधिकारियों (आपात कालीन कर्मिणन-प्राप्त अधिकारियों/अव्यवस्थित सेवा कर्मिणन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1988 को कम-से-कम 5 वर्ष की सैनिक सेवा की है और जो (i) कदाचार या अक्षमता के आधार पर त्खरित न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं, इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल आवेदन पत्र के प्रस्तुतिकरण के एक वर्ष के अंतर पुरा होना है या (ii) सैनिक सेवा हुई शारीरिक अपात या (iii) अक्षमता के कारण कार्य-मुक्त हुए हैं उनके मामले में अधिक-से-अधिक 5 वर्ष तक।
- (15) जिन भूतपूर्व सैनिकों और कर्मिणन प्राप्त अधिकारियों (आपातकालीन कर्मिणन प्राप्त अधिकारियों/अव्यवस्थित सेवा कर्मिणन प्राप्त अधिकारियों सहित) ने 1 जनवरी, 1988 को कम से कम पाँच वर्ष या सैनिक सेवा की है और जो कदाचार या अक्षमता के आधार पर त्खरित न होकर अन्य कारणों से कार्यकाल के समापन पर कार्यमुक्त हुए हैं इनमें वे भी सम्मिलित हैं जिनका कार्यकाल आवेदन पत्र के

प्रत्युत्तिकरण के एक वर्ष के अंदर पूरा होना है या (2) सैनिक सेवा में हई आधिकारिक अवसंता या (3) अवसंता के कारण कार्यमूक्त हुए तथा जो अनुसूचित जातियां या अनुसूचित जनजातियों के हैं उनके मामले में अधिक से अधिक वर्ष तक।

(16) अप्राप्तकालीन कर्मोशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मोशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 5 वर्ष जिन्होंने 1 जनवरी, 1988 को सैनिक सेवा के 5 वर्षों की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूरी कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(17) अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के ऐसे अप्राप्त-कालीन कर्मोशन प्राप्त अधिकारियों/अल्पकालीन सेवा कर्मोशन प्राप्त अधिकारियों के मामले में अधिकतम 10 वर्ष जिन्होंने 1-1-87 को सैनिक सेवा के 5 वर्ष की सेवा की प्रारंभिक अवधि पूर्ण कर ली है और उसके बाद सैनिक सेवा में रखे जाने हैं तथा जिनके मामले में रक्षा मंत्रालय को एक प्रमाण पत्र जारी करना होता है कि वे सिविल रोजगार के लिये आवेदन कर सकते हैं और सिविल रोजगार प्राप्त करने पर तीन माह के नोटिस पर उन्हें कार्यभार से मुक्त किया जाएगा।

(18) यदि कोई उम्मीदवार तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से आन्विक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्त कर भारत आया था तो अधिक से अधिक 5 वर्ष तक।

(19) यदि कोई उम्मीदवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति का है और तत्कालीन पश्चिमी पाकिस्तान से आन्विक विस्थापित व्यक्ति है और पहली जनवरी, 1971 तथा 31 मार्च, 1973 के बीच की अवधि के दौरान प्रवृत्त कर भारत आया है तो अधिक से अधिक 8 वर्ष तक।

(20) यदि कोई उम्मीदवार 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1986 तक सामान्यतः असम राज्य में रहा है तो उसके लिए अधिक से अधिक 6 वर्ष तक।

(21) वे उम्मीदवार जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हैं और 1 जनवरी, 1980 से 15 अगस्त, 1985 तक सामान्यतः असम राज्य में रहे हैं, उनके लिए अधिक से अधिक 11 वर्ष तक।

टिप्पणी :—भूतपूर्व सैनिक जो भूतपूर्व सैनिकों को पुनर्नियोजन के लिए दी जाने वाली सुविधाएं प्राप्त करके पहले से ही सिविल क्षेत्र में सरकारी सेवा में कार्यरत हैं वे नियमावली के नियम 6(ग)(14) और (15) के अंतर्गत आवेदन करने के पात्र नहीं हैं।

ऊपर की गई व्यवस्था को छांटकर निर्धारित आयु-सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती है।

टिप्पणी :—जिम उम्मीदवार को नियम 6(ख) के अधीन परीक्षा में प्रवेश न दिया हो उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी यदि आवेदन पत्र भेजने के बाद वह परीक्षा से पहले या परीक्षा देने के बाद सेवा से त्याग पत्र दे देता है या विभाग द्वारा उसकी सेवाएं समाप्त कर दी जाती हैं किन्तु आवेदन पत्र भेजते समय यदि उसकी सेवा या पद से छूटती हो जाती है तो वह पात्र नहीं बना रहेगा।

जो लोअर डिवीजन कनर्क/अपर डिवीजन कनर्क/स्टेनोवाफर, ग्रेड "घ" मध्य प्राधिकारी का अनुमोदन लेकर किसी संवर्ग बाह्य पद पर प्रतिनियुक्त है या जिनका किसी अन्य पद पर स्थानान्तरण हो जाता है किन्तु जिस पद पर से स्थानान्तरित हुआ है उस पर उसका लियन बना रखा है वह यदि अन्यथा उपयुक्त हुआ तो परीक्षा में प्रवेश का पात्र बना रहेगा।

6. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान सभा मंडल द्वारा निमित्त किसी विश्वविद्यालय को या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1965 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के का में गाने गई कि वो प्रत्येक विभागे की डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी :—1. ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं जो सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त व्यावसायिक और तकनीकी डिग्री के समकक्ष हो रखने वाले उम्मीदवार इस परीक्षा में प्रवेश पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी :—2. कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे ली है जिसके पास करने पर वह आयोजन की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फन की मूचना नहीं मिले है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है आयोजन की परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करने का पात्र नहीं होगा।

7. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप में काम कर रहे हों, चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हुए हों पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों या वे जो लोक उद्यमों के अधीन कार्यरत है उन सब को आश्रय का परिचालन (अण्डरटेकिंग) देना होगा कि उन्होंने अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष को लिखित रूप में यह सूचित कर दिया है कि उन्होंने परीक्षा के लिए आवेदन किया है।

उम्मीदवारों को स्पष्ट रखना चाहिए कि यदि आयोजन की उनके नियोजन से उनके उक्त परीक्षा के लिए आवेदन करने/परीक्षा में बैठने से सम्बन्ध अनुमति रोकते हुए कोई पत्र मिलना है तो उनका आवेदन पत्र अस्वीकृत कर दिया जाएगा उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी।

8. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार को पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोजन का निर्णय अन्तिम होगा।

9. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोजन का प्रवेश प्रमाण पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) नहीं है।

10. उम्मीदवार को आयोजन के नोटिस के पैरा 5 में निर्धारित फीस देनी होगी।

11. जिस उम्मीदवार ने—

- (1) किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- (2) नाम बताने पर परीक्षा दी है, अथवा
- (3) किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कोई साधन कराया है अथवा
- (4) जानी प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाण पत्र प्रस्तुत किए हैं, जिनमें तथ्यों को झिगाड़ा गया हो, अथवा
- (5) सफल या झूठे दस्तावेज दिये हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा
- (6) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा
- (7) परीक्षा में समय अनुचित साधनों का प्रयोग किया हो, या
- (8) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंत बातें लिखीं हो, जो अश्लील भाषा में अभद्र अण्य की हो, या
- (9) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्व्यवहार किया हो,
- (10) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या उन्हें अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो,
- (11) उम्मीदवार को परीक्षा देने की अनुमति देते हुए प्रेषित प्रवेश प्रमाण पत्र के साथ जारी किसी अनुदेश का उल्लंघन किया हो,
- (12) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य को करने का प्रयास किया हो या करने के लिए अश्वेतिक किया हो तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रार्म्-क्चूशन) चलाया जा सकता है और उनके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है, बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

- (1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,
- (2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी भी नौकरों धारित किया जा सकता है, और
- (ग) यदि यह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

किन्तु शर्त यह है कि इस नियम के अधीन कोई शास्ति तब तक नहीं दी जायेगी जब तक—

- (1) उम्मीदवार को इस संबंध में लिखित, अग्रभावेदन जो वह देना चाहें प्रस्तुत करने का अवसर न दिया गया हो, और
- (2) उम्मीदवार द्वारा अनुमत समय में प्रस्तुत अभ्यावेदन पर यदि कोई हो, विचार न कर लिया गया हो।

12. परीक्षा के बाद आयोग हर एक उम्मीदवार को अन्तिम रूप से दिए गए कुल प्राप्तांकों के आधार पर उनके योग्यता पत्र के अनुसार उनके नामों की सूची बनावेगा और इस परीक्षा का परिणाम

निकालने पर जिसकी अनारक्षित खाती जगहों पर भर्ती करने का फैसला किया गया हो उनमें ही ऐसे उम्मीदवारों को योग्यता क्रम के अनुसार नियुक्त करने के लिए अनुशासकी जाएगी जो आयोग द्वारा परीक्षा में योग्य माने गए हों।

परन्तु आरक्षित कोटा में कमी का पूरा करने के लिये अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों को आयोग द्वारा स्तर में, छूट देकर चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान हो नियुक्ति के लिये अनुशासित किया जा सकेगा, बशर्ते कि वे उम्मीदवार इन सेवाओं/पदों पर नियुक्ति के लिये उपयुक्त हों।

13. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में किम प्रकार दी जाए इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा और आयोग उनसे परीक्षाफल के बारे में कोई पत्र व्यवहार नहीं करेगा।

14. नियमों की अन्य व्यवस्थाओं के अध्वर्धन परीक्षा के परिणाम के आधार पर नियुक्ति करने समय उम्मीदवार द्वारा विस्तृत आवेदन पत्र में विभिन्न सेवाओं/पदों के लिये बताये गये वर्गीकृत क्रम पर उचित ध्यान दिया जायेगा।

15. नियुक्ति दो वर्षों की परीक्षा अवधि पर की जायेगी या आवश्यक समझा गया तो पन्थीक्षा अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

16. उम्मीदवार को सहायक ग्रेड में उनकी नियुक्ति की तारीख से दो वर्षों की अवधि के भीतर कम से कम 30 शब्द प्रति मिनट की गति से अंग्रेजी टाइपिंग या 25 शब्द प्रतिमिनट की गति से हिंदी टाइपिंग पास करनी होगी यदि वे निर्धारित अवधि के भीतर परीक्षा पास कर लें तो वह सहायक ग्रेड में आगे बेतन वृद्धि पाने के तब तक हटाया नहीं होगा जब तक कि वे उक्त परीक्षा पास करने के लें या उन्हें किसी विशेष या सामान्य आदेश के अधीन ऐसी परीक्षा पास करने की आवश्यकता से छूट न दी जाए और परीक्षा पास कर लेने पर या उससे छूट मिल जाने पर उनका बेतनमान कर फिर से इस प्रकार निवृत्त किया जायेगा कि उनकी बेतन वृद्धि रोकी हो नहीं गयी थी परन्तु जिसकी अवधि के लिए बेतनवृद्धि रोकी हो नहीं उस अवधि का बकाया बेतन उन्हें मही दिया जायेगा।

17. जिन व्यक्तियों ने—

(क) ऐसे व्यक्तियों से विवाह या विवाह अनुबंध किया है जिसका जीवित पति/पत्नी पहले से है, या

(ख) जीवित पति/पत्नी के रहते हुए किसी से विवाह या विवाह अनुबंध किया है तो वह सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं माना जायेगा परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो जाये कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति तथा विवाह सूत्र के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाले व्यक्तिक कानून के अनुसार स्वीकार्य है और ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि में स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जो संबंधित सेवा/पद के अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक निभाने में बाधक हो। यदि सशम अधिकारों द्वारा जितना डाक्टरों परीक्षा के बाद किसी उम्मीदवार के बारे में यह जान हुआ कि वह इन शर्तों को पूरी नहीं कर सकता है तो उसको नियुक्ति नहीं की जायेगी। केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरों परीक्षा की जायेगी जिनकी नियुक्ति के संबंध में विचार किये जाने की संभावना है।

19. परीक्षा के पास हो जाने से ही नियुक्ति का अधिकारी नहीं मिल जाता इसके लिए आवश्यक है कि सरकार आवश्यकतानुसार जांच करके इस बात से संतुष्ट हो जाए कि उम्मीदवार चारित्र्य तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा/पद पर नियुक्ति के लिए हर प्रकार से उपयुक्त है।

20 भारतीय विदेश सेवा (ख) रेलवे बोर्ड मुख्यालय सेवा केन्द्रीय मुख्यालय सेवा और सशस्त्र सेवा मुख्यालय स्थित सेवा में सहायकों के पदों की सेवा का वर्ग परिशिष्ट-II में दी गयी है।

जो एम. पी. राजादा, अवर सचिव

परिशिष्ट-I

(परीक्षा की योजना)

परीक्षा के विषय, अनुमित समय तथा प्रत्येक विषय के लिए अधिकतम अंक निम्न प्रकार में होंगे :-

प्रश्न-पत्र	विषय	अधिकतम अंक	अनुमित समय
प्रश्न-पत्र-I	गणित	150 अंक	2 1/2 घंटे
प्रश्न-पत्र-II	सामान्य ज्ञान	150 अंक	2 1/2 घंटे
प्रश्न-पत्र-III	भाषा-I (सामान्य अंग्रेजी) अथवा	200 अंक	3 घंटे
भाषा-II (सामान्य अंग्रेजी तथा हिंदी)		200 अंक	3 घंटे

1. परीक्षा का पाठ्य विवरण साथ मलग्न अनुसूची में दिया गया है।

3. सभी विषयों के प्रश्नपत्र वस्तुपरक के प्रश्नों के होंगे। अंक गणित तथा सामान्य ज्ञान से प्रश्न पत्र (प्रश्न पुस्तिका) हिंदी तथा अंग्रेजी दोनों में छपे होंगे।

4. उम्मीदवारों को भी सभी उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। किसी भी हालत में उन्हें उत्तर लिखने के लिए अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. आयोग अपनी निष्का पर परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के ग्रहक (क्यालीफाइड अंक) निर्धारित कर सकता है।

6. प्रश्न पत्र, जहां आवश्यक हों, तीनों और भाषाओं की मीट्रिक प्रणाली से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

7. उम्मीदवार वस्तुपरक प्रश्न पत्रों (प्रश्न पुस्तिका) का उत्तर देने के लिए कैलकुलेटरों का प्रयोग नहीं कर सकते। अतः वे उन्हें परीक्षा भवन में न लायें।

अनुसूची

परीक्षा की पाठ्यचर्या

(1) अकगणित: सहायकों, आरंभिक, प्रारम्भिक माध्यिक, तथा अंकगणित के ज्ञान पर अधिक बल दिया जाएगा।

(2) सामान्य ज्ञान जिसमें भारत का भूगोल भी शामिल है सामाजिक घटनाओं का ज्ञान का जो कुछ हम प्रतिदिन देखते हैं और अनुभव करते हैं उनके वैज्ञानिक पक्षों का ज्ञान जो एक साधारण पढ़े-लिखे आवामी को होना चाहिए, जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारतीय भूगोल संबंधी प्रश्न पूछे जाएंगे इस प्रश्न पत्र में भारतीय इतिहास से संबंधित ऐसे प्रश्न भी पूछे जाएंगे जिनका उत्तर उम्मीदवार बिना किसी विशेष अध्ययन के ही दे सकते हैं।

(3) भाषा प्रश्न पत्र

भाषा प्रश्न पत्र-I सामान्य अंग्रेजी का प्रश्न पत्र होगा जो स्नातक स्तर का होगा। भाषा प्रश्न-पत्र II में 50 प्रतिशत प्रश्न भाषा प्रश्न पत्र-I की तरह सामान्य अंग्रेजी के एवं 50 प्रतिशत प्रश्न उम्मीदवार एव प्रकार के हिंदी में होंगे।

भाषा प्रश्न पत्र इस प्रकार का होगा जिसमें उम्मीदवारों की संबंधित भाषा(ओं) की समझने और उसे सही तथा प्रभावपूर्ण रूप से प्रयोग करने की योग्यता का पता लग सके।

परिशिष्ट-II

उन सेवाओं/पदों में संबंधित विवरण जिनके लिए इस परीक्षा के द्वारा भर्ती की जा रही है। -

(1) भारतीय विदेश सेवा (ख) -

विदेश मंत्रालय में और विदेश स्थित भारतीय राजनयिक कार्यालय मिशनों व केन्द्रों में सहायकों के सभी पद तथा वणिज्य सत्रालय में सहायकों के कुछ पद भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य वर्गों के ग्रेड-1 में सम्मिलित हैं। ग्रेड-4 के नीचे के ग्रेडों का छोड़कर भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य वर्गों के निम्नलिखित ग्रेड निम्नलिखित हैं -

ग्रेड	पदनाम	वेतनमान
ग्रेड-I	मुख्यालयों में अवर सचिव विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों पर प्रथम और द्वितीय सचिव	रु 3000-100-3500/1500
संयोजित मुख्यालयों में सहायक		रु 2000-60-2300-इंग्रे
ग्रेड-II (अतः) और अनुभाग अधिकारी		75-2900-100-3590
और III विदेश स्थित मिशनों और केन्द्रों में उप-काउंसिल और रजिस्ट्रार		
ग्रेड-IV मुख्यालयों में तथा विदेश सेवा स्थित मिशनों और केन्द्रों पर सहायक		रु 1400-40-1600-50-300-इंग्रे-60-1600

2. भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य वर्गों के ग्रेड-4 में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों को दो वर्ष परिवीक्षाधीन रखा जाएगा। इस दौरान उन्हें ऐसे प्रशिक्षण लेने होंगे और ऐसी परीक्षाएं पास करनी होंगी जो सरकार द्वारा निर्धारित की गयी हों। प्रशिक्षण के दौरान संतोषजनक प्रगति न करने अथवा परीक्षाएं पास करने पर परिवीक्षाधीन व्यक्ति को नौकरी में निकाला जा सकता है।

3. परिवीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार परिवीक्षाधीन अधिकारियों को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकता है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवेदन संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितनी उचित समझे बढ़ा सकती है।

4. भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त किए गए व्यक्तियों का केन्द्रीय मुख्यालय सेवा और अन्य किसी सेवा संवर्ग में शामिल पदों पर नियुक्ति का कोई अधिकार नहीं होगा। उसके अतिरिक्त ऐसे सभी व्यक्ति जो चाहे भारत में अथवा विदेश में किसी पद पर नियुक्त किए जाएं सेवा करने की वाछ्य होंगे।

5. विदेशों से सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों को मूल वेतन के अतिरिक्त सब्सिडी देना में निवृत्ति व्यय आदि अनुसार समय-समय पर स्वीकृत का जाने वाली वारं पर विदेश भत्ता भरा दिया जाता है। इसके अतिरिक्त भारतीय विदेश सेवा (पी.एल.सी.ए.) नियमावली 1961 के अनुसार जो भारतीय विदेश सेवा (ख) अधिकारियों पर लागू हो गई है, विदेशों में सेवा के दौरान निम्नलिखित रियायतें भी प्राप्त हैं -

(1) सरकार द्वारा निर्धारित मात्र के अनुसार सुसज्जित निशुल्क आवास,

- (2) सहायता प्राप्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या सुविधाएं,
- (3) निर्धारित निधियों के अनुसार अतिरिक्त तथा उनके परिपूरण के लिए गृह अवरकाण-प्राप्ति;
- (4) सरकार द्वारा यथा परिभाषित आपातकाल जैसे भारत में किन्हीं निकट संबंधी की मृत्यु अथवा संसार संसारों के समस्त भारत जाते और विदेश में कार्यरत पर वापस लौटने के लिए जाने-पाने का एकल हवाई यात्रा व्यय या पूरी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक दो बार मिलेगा।
- (5) भारत में क्षेत्रीय अतिरिक्त सस्था में अध्ययनरत 6 से 22 वर्ष तक की आयु के बच्चा की कुछ शर्तों पर छुट्टियों के दौरान अर्पण पोषा-पाना के पात्र आन जाने के लिए वापस हवाई यात्रा व्यय;
- (6) उक्त अधिकारी को विदेश में वैतार्थ मूल पर अध्ययनरत 5 से 18 वर्ष तक की आयु तक के बच्चों की शिक्षा का व्यय या अधिकतम दो बच्चों तक मिलेगा, कुछ शर्तों के अर्थात् सरकार द्वारा बहिन किया जाता है;
- (7) विदेशों में प्रति वैतार्थ पर र. 2000 परिसरिता भत्ता जो भारी सेवावधि के दौरान अधिक से अधिक 5 अवसरों तक मिलेगा।

6 भारतीय विदेश सेवा (ख) में नियुक्त सभी अधिकारियों भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग, बरिष्ठता और पदोन्नति), नियमावली 1964 के अधिन और अन्य ऐसे नियमों और विनियमों के अधीन होंगे जो सरकार भविष्य में बनाये और उक्त सेवा पर लागू करें।

7 भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग सहायक ग्रेड में नियुक्त व्यक्ति, भारतीय विदेश सेवा (शाखा "ख") (भर्ती, संवर्ग, बरिष्ठता और पदोन्नति), नियमावली, 1964 में समाविष्ट उपबन्धों के अनुसार उच्च ग्रेडों में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

टिप्पणी.— भारतीय विदेश सेवा (भर्ती, संवर्ग, बरिष्ठता और पदोन्नति) नियमावली, 1964 के अनुसार भारतीय विदेश सेवा (ख) के ग्रेड-I के अधिकारियों के लिए भारतीय विदेश सेवा (क) के र. 3200-100-3700-125-4700 के बरिष्ठ स्तरमान में पदोन्नति के लिए सीमित काटा उपलब्ध है।

(2) रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा —

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के इस समय निम्नलिखित 4 ग्रेड हैं —

1. चपत ग्रेड (उन सचिव या समकक्ष अधिकारी) — र. 3700-125-4700-150-5000.
2. ग्रेड-I (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी) — र. 3000-100-3500-125-4500.
3. अनुभाग अधिकारी ग्रेड — र. 2000-60-2300-द. र. - 75-3200-100-3500.
1. सहायक ग्रेड — र. 1400-40-1600-50-2300-द. र. - 60-2600

सहायक के रूप में सीधे भर्ती हुए व्यक्ति 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा पर रहेंगे जिनके दौरान उन्हें ऐसा प्रशिक्षण पाला होगा और ऐसी परीक्षाएं दी जाएंगी या सरकार निर्धारित तदर्थ वे प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखा सके और परीक्षाएं पास न कर सकें तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवानिवृत्त किया जा सकता है।

परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को उनका नियुक्ति पर पक्का कर सकता है या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवानिवृत्त कर सकती है या उसकी परिवर्तना का आदेश करे, जितना उचित समझे, और बना सकता है।

उक्त सेवा के सहायक ग्रेड में भर्ती हुए व्यक्ति इस संबंध में समय-समय परीक्षाओं के अनुसार अपने उच्चतर ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा रेल विभाग तक ही सीमित है और इसके कर्मचारी केन्द्रीय सचिवालय सेवा के कर्मचारियों की तरह अन्य संस्थानों में स्थानांतरित नहीं किए जा सकते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा के 21 नियमों के अन्तर्गत भर्ती हुए अधिकारी —

- (1) पेंशन लाभ के पात्र होंगे, और
- (2) गेरे अगवार्थ राज्य रेलवे सचिवालय नियमों के विभाग के प्राप्ति उक्त नियमों में अमल करेगा जो कि रेल कर्मचारियों पर उनके सेवा में सम्मिलित होने का निर्देश में लागू हो जाते हैं।

रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा नियुक्त कर्मचारी रेलवे बोर्ड द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार पात्र और पी टी आर के हकदार होंगे।

जहां तक छुट्टी और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, रेलवे बोर्ड सचिवालय सेवा में शामिल किए गए कर्मचारियों की रेलवे के अन्य अधिकारियों के समान ही समझा जाता है, परन्तु चिकित्सा सुविधाओं के मामले में उन पर वे ही नियम लागू होंगे जो केन्द्रीय सरकार के उन अन्य कर्मचारियों पर लागू होते हैं, जिनके मुख्यालय नई दिल्ली में हैं।

(3) केन्द्रीय सचिवालय सेवा —

केन्द्रीय सचिवालय सेवा में इस समय नीचे लिखे 4 ग्रेड हैं —

- (1) चपत (सेलेक्शन) ग्रेड (उन सचिव या समकक्ष अधिकारी) — र. 3700-125-4700-150-5000.
- (2) ग्रेड-I (अवर सचिव या समकक्ष अधिकारी) — र. 3000-100-3500-125-4500.
- (3) अनुभाग अधिकारी ग्रेड — र. 2000-60-2300-द. र. - 75-3200-100-3500
- (1) सहायक ग्रेड — र. 1400-40-1600-50-2300-द. र. - 60-2600.

(2) सहायकों के रूप में सीधे भर्ती किए गए व्यक्तियों की दो वर्ष की परीक्षा पर रखा जाएगा। इन परीक्षाओं में उनका सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। यदि परीक्षाधीन सहायक प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सकें या परीक्षाएं पास न कर सकें तो परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवानिवृत्त किया जा सकता है।

(3) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर सरकार परीक्षाधीन व्यक्ति को उसकी नियुक्ति पर पक्का कर सकता है या सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवानिवृत्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि की जितना उचित समझे और बना सकता है।

(4) केन्द्रीय सचिवालय सेवा में भर्ती किए गए सहायकों को केन्द्रीय सचिवालय सेवा में शामिल रहेंगे एक संज्ञापर या वर्गीकरण में नियुक्त किया जा सकता है। तथापि उन्हें किसी भी समय किसी या संज्ञापर या कार्यालय में स्थानांतरण किया जा सकता है।

for the purpose of filling vacancies in the following Services Posts are published for general information —

(v) Posts of Assistant in other Departmental organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the IFS(B)|Railway Board Secretariat Service|Central Secretariat Service|Armed Forces Headquarters Civil Service

(c) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African countries, of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar), Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

(6) सशस्त्र सेना सहाय्य सिविल सेवा के सहायक गेज में नियुक्त किए गए व्यक्तियों को होगा। नियुक्ति के बाद उन पर जा उक्त सेवा में सम्मिलित नहीं है पर स्थानान्तरण या नियुक्ति के बाद तक नहीं होगा।

New Delhi, the 4th November, 1989

No. 61/89-CS(I) — The Rules for a competitive examination viz., Assistants Grade Examination, 1988 to be held by the Staff Selection Commission in 1990

5. (a) A candidate for this examination must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 25 years on the 1st of January, 1988 i.e. he must have been born not earlier than the 2nd January, 1963 and not later than the 1st January, 1968.

(b) The upper age limit will be relaxable upto the age of 30 years in respect of LDCs|UDCs|Stenographers Grade D with not less than 3 years continuous and regular service on 1st January, 1988 in the various Departments|Offices of the Government of India including those under the Union Territories Administrations or in the Office of the Election Commission and the Central Vigilance Commission or in the Lok Sabha|Rajya Sabha Secretariat.

Candidates holding posts, which are not designated as LDCs|UDCs|Stenographers Grade D will not be eligible for age relaxable under this sub-rule, even though the posts held by them are in identical pay scale.

(c) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) upto a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person, from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and has migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a

Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India or after 1st June, 1963;

- (viii) upto a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (ix) upto a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or Scheduled Tribe and is also a bonafide repatriate of Indian origin and has migrated from (Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia.
- (x) upto a maximum of three years in the case of Defence Services Personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (xi) upto a maximum of eight years in the case of Defence services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Caste or the Scheduled Tribes;
- (xii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiii) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and also is a bonafide repatriate of Indian origin (Indian Passport Holder) as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975;
- (xiv) upto a maximum of 5 years in the case of exservicemen and Commissioned Officers including ECO's|SSCO's who have rendered at least 5 years Military Service as on 1st January 1988 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of submission of his application, otherwise than by way of dismissal or discharge or on account of misconduct or inefficiency or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment;

- (xv) upto a maximum of ten years in the case of ex-servicemen and Commissioned Officers including ECO's/SSCO's who have rendered at least five years Military Service as on 1st January, 1988 and have been released (i) on completion of assignment (including those whose assignment is due to be completed within one year from the date of submission of his application, otherwise than by way of dismissal or discharge on account of misconduct or inefficiency, or (ii) on account of physical disability attributable to Military Service or (iii) on invalidment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xvi) upto a maximum of 5 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1-1-1988 and are retained in the Military service thereafter, and in whose case the Ministry of Defence issued a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months' notice on securing civil employment;
- (xvii) upto a maximum of 10 years in case of ECO's/SSCO's who have completed an initial period of assignment of 5 years of Military Service as on 1st August, 1989 and are retained in the Military Service thereafter and in whose case the Ministry of Defence issues a certificate that they can apply for civil employment and that they will be released on 3 months notice on securing civil employment who belongs to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xviii) upto a maximum of three years if a candidate is a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and had migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973.
- (xix) upto a maximum of 8 years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a bonafide displaced person from erstwhile West Pakistan and that migrated to India during the period between 1st January, 1971 and 31st March, 1973;
- (xx) upto a maximum of six years, if a candidate has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985;
- (xxi) upto a maximum of eleven years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and has ordinarily resided in the State of Assam during the period from the first day of January, 1980 to the fifteenth day of August, 1985.

Note :—Ex-servicemen who have already joined the Government job on Civil side after availing

of the benefits given to them as ex-service-men for their re-employment, are not eligible to apply under Rule 6(c) (xiv) and (xv) of the Rules.

Save as Provided Above the Age Limits Prescribed can in no case be relaxed

Note :—The candidature of a person who is admitted to the examination under Rule 6(b) shall be cancelled if after submitting his application he resigns from Service or his services are terminated by his Department either before or after taking the examination. He will, however, continue to be eligible, if he is retrenched from the service or post after submitting his application.

An LDC/UDC/Stenographer Grade D who is on deputation to an ex-cadre post with the approval of the competent authority or who is transferred to another post but retains lien on the post from where he is transferred will be eligible to be admitted to the examination, if otherwise eligible.

6. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

Note I :—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degree will also be eligible for admission to the examination.

Note II :—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will not be eligible to apply for admission to the commission's examination.

7. All candidates in Government service whether in a permanent or in a temporary capacity or as workcharged employees, other than casual or duty daily rated employee, or those serving under Public enterprises, will be required to submit an undertaking that they have informed in writing their Head of Office/Department that they have applied for the examination.

Candidates should note that in case a communication is received from their employer by the Commission withholding permission to the candidates applying for appearing at the examination, their applications shall be rejected/candidature shall be cancelled.

8. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

9. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

10. Candidates must pay fee prescribed in para 12 of the Commission's Notice.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated document or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination,
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language, or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations, or
- (xi) violating any of the instructions issued to candidates along with their Admission Certificate permitting them to take the examination, or
- (xii) attempting to commit or as the case may be, abetting the Commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable :—
 - (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
 - (b) to be debarred, either permanently or for specified period :—
 - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
 - (ii) by the Central Government, from any employment under them; and
 - (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules;

Provided that no penalty under this rule shall be imposed except after :—

- (i) giving the candidate an opportunity of making such representation in writing as he may wish to make in that behalf; and

- (ii) taking the representation, if any, submitted by the candidate, within the period allowed to him, into consideration.

12. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate, and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination :

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, be recommended by the Commission by a relaxed standard to fill up the vacancies in the reserve quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services/Posts, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

13 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion, and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

14. Subject to other provisions contained in these rules, due consideration will be given at the time of making appointment on the result of the examination, to the preference expressed by a candidate for various Services/Posts in the detailed application form

15. Appointments will be made on probation for a period of two years. The period of probation may be extended if considered necessary.

16. Candidates will be required to pass a test in typewriting at a minimum speed of 30 words per minute in English or 25 words per minute in Hindi within a period of two years from the date of appointment to the Assistant's Grade. In the event of their failure to pass the test within the prescribed period, they shall not be entitled to draw any further increments in the Assistant's Grade until they pass such test or are exempted from this requirement under a special or general order; and on passing or being exempted from the test, their pay shall be refixed as if their increments had not been withheld, but no arrears of pay shall be allowed for the period the increments had been withheld.

17. No person :—

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to service :

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate, who after such medical examination, as may be prescribed by the competent authority, is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined.

19. Success at the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate having regard to his character and antecedents is suitable in all respects for appointment to the Service/Post.

20. Conditions of Service for Assistants in the Indian Foreign Service (B), the Railway Board Secretariat Service, the Central Secretariat Service and the Armed Forces Headquarters Civil Service are briefly stated in Appendix II.

GURNIHAL SINGH PIRZADA, Under Secy.

APPENDIX I

(The Scheme of the Examination)

The subjects of the examination, the time allowed and the maximum marks for each subject will be as follows :—

Paper	Subject	Max. Marks	Time allowed
Paper I	Arithmetic	150 marks	2½ hours
Paper II	General Knowledge	150 marks	2½ hours
Paper III	Language I (General English)	200 marks	3 hours
OR			
	Language II (General English and Hindi)	200 marks	3 hours

2. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

3. The papers in all the subjects will consist of objective type questions only. The question papers (Test Booklets) in Arithmetic and General Knowledge will be set both in English and Hindi.

4. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

5. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

6. In the question papers, wherever necessary questions involving numerals the Metric System of weights and measures only will be set.

7. Candidates are not permitted to use calculators for answering objective type papers (Test Booklets). They should not, therefore, bring the same inside the Examination Hall.

SCHEDULE

Syllabus of the Examination

(1) Arithmetic.—There will be greater emphasis on understanding of numbers, graphs, elementary statistics and arithmetic.

(2) General Knowledge including Geography of India.—Knowledge of current events and of such matters of every day observations and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subjects. The paper will include questions on geography of India. The paper may also include questions on History of India of a nature, which candidates should be able to answer without special study.

(3) Language Paper.—Language I paper will be paper in General English of Graduate standard. Language II paper will consist of 50 per cent questions in General English as in Language I and 50 per cent questions in Hindi of the same standard and nature.

Language paper will be designed to test the candidates ability to understand and use the language(s) correctly and effectively.

APPENDIX II

Brief particulars relating to the Service/Posts to which recruitment is being made through this examination.

(i) Indian Foreign Service (B).—All posts of Assistants in the Ministry of External Affairs and in Indian Diplomatic, Consular Missions and Posts abroad and a few posts of Assistants in the Ministry of Commerce are included in Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B). The various grades in the General Cadre of Indian Foreign Service (B), excluding Grades lower than Grade IV, are as follows :—

Grade	Designation	Scale of Pay
Grade I	Under Secretaries at HQRs First and second Secretaries in Missions and posts abroad	3000-100-3500-125-4500
Integrated Grade II & III	Attache and Section Officer at Hqrs. Vice-Consuls and Registrars in Missions and Posts abroad	2000-60-2300-EB-75-2900-100-3500
Grade IV	Assistants at Hqrs. and in Missions and Posts abroad.	1400-40-1600-50-2300-FB-60-2600

2. Persons recruited direct to Grade IV of the General Cadre of the Indian Foreign Service (B) will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the courses of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

3. On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government, been unsatisfactory he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

4. Person appointed to the Indian Foreign Service (B) will have no claim to be appointed to posts including in the Cadre of the Central Secretariat Service or any other Service. Further, all such persons will be liable to serve in any posts either in India or abroad to which they may be posted.

5. During service abroad, IFS(B) officials, are granted foreign allowance in addition to their basic pay, at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS(B) officers:—

- (i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government;
- (ii) Medical Attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme;
- (iii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules;
- (iv) Return Single Air Passage to India and back to the place of duty abroad up to a maximum of two throughout the officer's service for emergencies such as the death or serious illness of a near relation in India as may be defined by the Government;
- (v) Annual return air passage for children between the ages of 6 and 12 studying in regional educational institution of India to visit parents during vacation subject to certain conditions;
- (vi) Expenditure on education of children upto a maximum of two children between the ages of 5 and 18 studying at the place of posting abroad of the officer is met by the Government subject to certain conditions; and
- (vii) Outfit allowance Rs. 2,000/- per posting abroad subject to maximum of 8 occasions during the entire career.

6. All Officers appointed to the IFS(B), will be subject to the Indian Foreign Service (Branch B) (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964 and also to other rules and regulations which the Government may hereafter frame and make applicable to the service.

7. Persons appointed to Grade IV of the General Cadre (Assistants) of the IFS(B) will be eligible for promotion to higher grades in accordance with

the provisions contained in the Indian Foreign Service (Branch B) Recruitment, Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964.

NOTE:—In accordance with the Indian Foreign Service (Recruitment Cadre, Seniority and Promotion) Rules, 1964, a limited quota is available to officers in Grade I of the Indian Foreign Service (B) for promotion to the Senior scale of the Indian Foreign Service (A) in the scale of pay of Rs. 3200-100-3700-125-4700.

(ii) The Railways Board Secretariat Service. — The Railways Board Secretariat Service has at present 4 grades as follows:—

1. Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5900.
2. Grade I (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
3. Section Officers Grade Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
4. Assistants Grade Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600.

Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, he may either be discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

Persons recruited to Assistants' Grade of the Service will be eligible for promotion to the next higher grade in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

The Railways Board Secretariat Service is confined to the Department of Railways and Staff are not liable to transfer to other Ministries as in the case of the Central Secretariat Service.

Officers of the Railways Board Secretariat Service recruited under these rules:

- (i) will be eligible for pensionary benefits; and
- (ii) shall subscribe to the non-contributory State Railway Provident Fund under the rules of that fund as are applicable to Railway servants appointed on the date they joined the service.

The candidates appointed to the Railway Board Secretariat Service will be entitled to the privilege of passes and privilege ticket orders in accordance with the orders issued by the Railway Board from time to time.

As regards leave and other conditions of service, staff including in the Railway Board Secretariat Service are treated in the same way as other Railway staff but in the matter of medical facilities they will be governed by rules applicable to other Central Government employees with headquarters at New Delhi.

(iii) Central Secretariat Service.—The Central Secretariat Service has at present four grades as follows :—

- (1) Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent) Rs. 3700-125-4700-150-5000.
- (2) Grade 1 (Under Secretary or equivalent) Rs. 3000-100-3500-125-4500.
- (3) Section Officers Grade Rs. 200-60-2300-EB-75-3200-100-3500.
- (4) Assistants Grade Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600.

(2) Persons recruited direct as Assistants will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation the Government may confirm the probationer in his appointment or, if his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory he may either be discharged from service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the Central Secretariat Service will be posted to one of the Ministries or Offices participating in the Central Secretariat Service. They may, however, at any time be transferred to any other such Ministry or Office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistants Grade of the Central Secretariat Service in pursuance of their opinion for that Service will not, after such appoint-

ment have any claim for transfer or appointment to any post included in any other cadre.

(iv) The Armed Forces Headquarters Civil Service.—The Armed Forces Headquarters Civil Service has at present five grades as follows :—

Grade	Scale of Pay
(1) Director	Rs. 4500-150-5700
(2) Selection Grade (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer) Group A	Rs. 3700-125-4700-150-5000
(3) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 3000-100-3500-125-4500
(4) Assistant's Civilian Staff Officer (Group-B Gazetted)	Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500
(5) Assistants	Rs. 1400-40-1600-50-2300-EB-60-2600

(2) Persons recruited direct as Assistant will be on probation for a period of two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests may result in the discharge of the probationer from service.

(3) On conclusion of the period of probation, the Government may confirm the probationer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory he may be either discharged from the service or his period of probation may be extended for such further period as Government may think fit.

(4) Assistants recruited to the AFHQ Civil Service will be posted to one of the Service Headquarters or Inter Service Organisations, participating in the AFHQ Civil Service Scheme. They may, however, at any time be transferred to any other such Headquarters or office.

(5) Assistants will be eligible for promotion to higher grades in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(6) Persons appointed to the Assistant Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service will not, after such appointment have any claim for transfer or appointment to post not included in that Service.

